

व्यवहारवाद निबंध तथा चर्चा [pdf] Political science

वर्तमान में जिस तरह से शिक्षा का स्तर बदल रहा है उसको देखते हुए भारत सरकार परीक्षा तथा सामाजिक अध्ययन के पैटर्न पर बहुत ध्यान दे रही है इसीलिए आये दिन राजनीति विज्ञान के विषय व्यवहारवाद पर चर्चाएँ देखने को मिलती है इसको देखते हुए इस लेख में इस शब्द के बारे में पढ़ेंगे तथा इसके इतिहास और परम्परागत राजनीति को भी समझेंगे।

व्यवहारवाद का अर्थ तथा परिभाषा:-

राबर्ट ए डहल के अनुसार “व्यवहारवादी क्रांतिपरम्परागत राजनीति विज्ञान की असफलताओं के प्रति असंतोष का परिणाम है, इस क्रांति का उद्देश्य राजनीति विज्ञान को अधिक वैज्ञानिक बनाना है इसके साथ साथ ब्लेयर कोलासा ने भी कुछ लिखा है जोकि इस प्रकार है

“ब्लेयर कोलासा के अनुसार “व्यवहारवाद राजनीतिक संदर्भों में व्यक्ति- समूहों का अध्ययन है”।

व्यवहारवादी आंदोलन के लक्ष्य एवं उद्देश्य (Aims and objective of the Behavioral Movement):-

व्यवहारवाद राजनीतिक विज्ञान को समझने के कुछ उद्देश्य है जिसको समझना अतिआवश्यक माना गया है इसका जन्म एक ऐसे व्यचारिक आंदोलन से हुआ जिसका उद्देश्य एक परम्परागत राजनीतिक विज्ञान के एक नये विचार की स्थापना करता है।

- 1- एक नवीन राजनीति विज्ञान की स्थापना (Establishment of new political science) |
- 2- राजनीति को विज्ञान के रूप में विकसित करना (Developing politics as a science)

- 3- राजनीतिक संदर्भ में मानव व्यवहार का अध्ययन (study of human behavior in political context)
- 4- अन्य सामाजिक विज्ञानों के साथ घनिष्ठ संबंध की स्थापना (Establish close relationship with other social science)

व्यवहारवाद की विशेषताएं:-

इनको व्यवहारवाद आंदोलन की आधारशिला माना गया है।

- 1- नियमितताएँ (Regularities)
- 2- सत्यापन (Verification)
- 3- प्रविधियाँ (Technique)
- 4- परिमाणन (Quantification)
- 5- मूल्य (Value)
- 6- क्रमबद्धता (Serialization)
- 7- विशुद्ध विज्ञान (Pure science)
- 8- एकीकरण (Integration)

व्यवहारवाद की उपलब्धियां, उपयोगिता एवं महत्त्व (Achievements, Utility And Importance of behaviorism):-

- 1- नवीन राजनीति विज्ञान की स्थापना (Establishment of new Political Science)
- 2- अध्ययन वस्तु में परिवर्तन (Change of study object)
- 3- अंतर आनुशासनात्मक दृष्टिकोण की स्थापना (Establishment of Inter-disciplinary approach)
- 4- वैकल्पिक धारणाओं का प्रस्तुतीकरण (Submission of alternative assumptions)

जब व्यवहारवाद की उपलब्धियों तथा उपयोगिताओं की बात की जाती है तो ज्यादातर विज्ञानवादियों ने बहुत तरह की आलोचनाएँ की है तथा कई आधारों पर पर इसके अच्छे पक्ष भी बताये गये है जो कि उपरोक्त बताये गये है जिसमें सबसे

पहले नवीन राजनीति विज्ञान की स्थापना की स्थापना करने की बात आती है, इसके जितनी भी कमियां थी उनको प्रकट करके, उसके स्थान पर नये राजनीति विज्ञान की स्थापना की है।

इसके साथ- साथ दूसरे लेख में अध्ययन वस्तु में परिवर्तन के बारे में बताया गया है, पहले राजनीति विज्ञान का अध्ययन केंद्र नहीं था लेकिन व्यवहारवाद ने उन संस्थाओं के स्थान पर, दूसरे अध्ययन के केंद्र स्थापित किये ।

अंतर आनुशासनात्मक द्रष्टिकोण की स्थापना का अर्थ , यदि राजनीति विज्ञान में आनुशासनात्मकअनु को विषय भी कह सकते है यानि जो अलग- अलग विषय है उनकी स्थापना करना।

व्यवहारवाद में वैकल्पिक धारणाओं का प्रस्तुतीकरण, राजनीति विज्ञान को अनेक वैकल्पिक धारणाएं प्रदान की है जिनका राजनैतिक व्यवहार के अंदर विशेष रूप से महत्त्व दिया गया है।